हल्द्वानी (नैनीताल) एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित

समाचारों को विस्तार से व तत्काल पढ़ने के लिए क्लिक करें
Web:- www.jokhimnews.com
सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड में "ए" श्रेणी में सूचीबद्ध

जोखिम

भय भूख एवम् भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्षरत् निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वर्ष : 16 अंक : 129 | हल्द्वानी (नैनीताल) सोमवार 23 मार्च 2026 | मूल्य रू 2 | पृष्ठ : 8

रामनगर में अकीदत और मोहब्बत से अदा की गई ईद-उल-फितर की नमाज, अमन और भाईचारे के लिए उठे हजारों हाथ

रामनगर (संवाददाता)। ईद-उल-फितर का पर्व शांतिपूर्ण और उल्लास के साथ मनाया गया।शहर इमाम मुफ्ती गुलाम मुस्तफा नइमी ने शनिवार को सुबह 8:30 बजे हजारों की तादाद में मुस्लिम समाज के लोगों ने ईदगाह में एकजुट होकर नमाज अदा की।वही बड़ी मस्जिद में मुफ्ती अकील अहमद ने आठ बजे ईद उल फितर की नमाज अदा कराई।तकबीर और दुआओं की गूंज से माहौल पूरी तरह रूहानी बन गया। हर तरफ खुशियों, मोहब्बत और भाईचारे का पैगाम दिया गया।नमाज के बाद उलेमाओं ने लोगों को इस्लाम की हिदायतों पर चलने और हुजूर-ए-पाक की सुन्नतों को अपनाने की सीख दी। उन्होंने कहा कि ईद सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि यह मोहब्बत, भाईचारे और इंसानियत का पैगाम देने का दिन है।उन्होंने लोगों से जरूरतमंदों की मदद करने और समाज में शांति बनाए रखने की अपील की। नमाज के बाद हजारों हाथ दुआ के लिए उठे। पूरे मुल्क में अमन-चैन, भाईचारे और खुशहाली की दुआएं मांगी गईं। गरीबों, यतीमों और जरूरतमंदों के लिए खास दुआ की गई, ताकि हर इंसान खुशहाल जिंदगी जी सके। ईद की रौनक का असली नजारा नन्हें-मुन्ने बच्चों में देखने को मिला। नए कपड़ों में सजे बच्चों ने गले मिलकर एक-दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी। ईदी मिलने की खुशी में उनकी आंखों की चमक देखते ही बन रही थी। कहीं कोई अपने मां बाप से ईदी लेने के लिए मचल रहा था, तो कहीं कोई नई टॉफी और खिलौनों से खेलता नजर आया। ईद की नमाज को लेकर रामनगर पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। ईदगाह और आसपास के इलाकों में पुलिस बल तैनात किया गया था।

विश्व वानिकी दिवस मनाया

रामनगर (संवाददाता)। विश्व वानिकी दिवस हर वर्ष 21 मार्च को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य वनों और वृक्षों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। यह दिन वनों के संरक्षण, टिकाऊ प्रबंधन और हरियाली को अपनाने के लिए लोगों को प्रेरित करने के लिए समर्पित है। विश्व वानिकी दिवस (अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस) 2026 की थीम वन और आर्थिकी निर्धारित की गई है।जिसमें वानिकी को समावेशी विकास का मुख्य कारक और निवेश आदि में वानिकी के महत्व को प्राथमिकता दिया जाना है।कार्बेट टाइगर रिजर्व के बिजरानी रेंज द्वारा शनिवार को रिगौड़ा वन परिसर में स्थानीय नेचर गाईडों, रिंगौड़ा खत्ता के स्कूली बच्चों के मध्य विश्व वानिकी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय नेचर गाईडों द्वारा पर्यावरणीय संतुलन के परिपेक्ष्य में वनों एवं वन्यजीवों के महत्व से अवगत कराया गया।बिजरानी रेंज के रेंजर नवीन पाण्डे ने कहा कि पृथ्वी के पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन को बनाए रखने में वनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, जो जीवन को बनाए रखने के लिए अनेक आवश्यक सेवाएं प्रदान करते हैं। वनों का एक सबसे महत्वपूर्ण योगदान अनेक पौधों और जीव-जंतुओं की प्रजातियों के लिए आवास के रूप में उनकी भूमिका है। इसके लिए हमें वन एवं वन्यजीवों के संरक्षण के साथ-साथ अपने आस-पास स्वच्छता रखनी होगी और पर्यावरण को स्वच्छ रखने में अपना योगदान देना होगा जो कि हमारी नैतिक जिम्मेदारी भी है। विश्व वानिकी दिवस कार्यक्रम के दौरान रिंगौड़ा चौकी परिसर में विविध प्रजाति के पौधों का रोपण किया गया और उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया। इसके अतिरिक्त बिजरानी रेंज स्टाफ, नेचर गाईडों के द्वारा वेस्ट वॉरियर्स संस्था के साथ मिलकर रिंगौड़ा चौकी के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-309 के किनारे एक क्लीन अप ड्राईव भी संचालित की गयी।जिसमें काफी मात्रा में कचरा एकत्रित कर वेस्ट वॉरियर्स संस्था को हस्तगत किया गया। इस दौरान रेंजर नवीन चन्द्र पाण्डे,संदीप सिंह, विनोद बुधानी,कैलाश चन्द्र पपनै,मिताली,प्रदीप आदि मौजूद रहें।

केन्द्र व राज्यसरकार के खिलाफ जमकर हमला बोला

हल्द्वानी (संवाददाता)। /रसोई गैस का व्याप्त भारी संकट बढ़ती कीमतों कालाबजारी के विरोध युवा काग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश उपाध्यक्ष हेमन्त साहू की अगवाई में हल्द्वानी के बुद्ध पार्क में अनोखे अंदाज जोरदार विरोध करते हुए गैस सिलेंडर में माला चढ़ाकर श्रद्धांजलि देते चढ़ाकर लकड़ी वाले चूल्हे में भोजन बनाकर केन्द्र व राज्यसरकार के खिलाफ जमकर हमला बोला।युवा नेता हेमन्त साहू ने कहा गैस सिलेंडर की कीमतों में लगातार वृद्धि से रसोई का बजट बिगड़ गया है इसका सबसे ज्यादा असर गृहिणियों पर पड़ रहा है, जिन्हें घर का खर्च संभालना मुश्किल हो रहा है ब्लैक में सिलेंडर 2500 हजार रुपए तक मिल रहा है।कांग्रेस नेता राजेन्द्र बिष्ट व संदीप भसोड़ा ने कहा सरकार ने अच्छे दिनों के सपने दिखाकर बुरे दिन ला दिए हैं जनता मजबूर होकर लकड़ी के चूल्हे में भोजन बना रही है।प्रदर्शन करने वाले में मुख्य रूप से छात्र नेता मेहूल साह सचिन राठौर शाहनवाज मालिक रेखा जाटव ज्योति आर्या विनीता आर्या प्रेमा सागर इशहाक खान मयंक गोस्वामी अल्का आर्या रेनू आर्या देवेन्द्र नेगी हर्ष शर्मा सौरभ कुमार समेत अन्य लोग थे।

आरोपी को चोरी किए गए सामान के साथ गिरफ्तार

हल्द्वानी (संवाददाता)। /मुखानी थाना क्षेत्र स्थित एक मंदिर में हुई चोरी की घटना का पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर पर्दाफाश कर दिया। तत्पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी को चोरी किए गए सामान के साथ गिरफ्तार कर लिया।19-20 मार्च की रात अज्ञात चोर ने अमृता आश्रम के पास मंदिर का ताला तोड़कर मूर्तियां, पीतल-तांबे के बर्तन, घंटियां, आभूषण व अन्य सामान चोरी कर लिया था। मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।मंजूनाथ टीसी के निर्देशन में गठित टीम ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले और मुखबिर तंत्र सक्रिय किया। 21 मार्च को मिली पुख्ता सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को धर दबोचा।आरोपी की पहचान लाल सिंह (52) निवासी हल्द्वानी के रूप मे हुई है, उसके पास से चोरी का सारा सामान पुलिस ने बरामद कर लिया है. मामले में संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई करते हुए आरोपी को न्यायालय में पेश किया जा रहा है।आपराधिक रिकॉर्ड भी लंबा पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी पर पहले से ही कई गंभीर मामले दर्ज हैं, जिनमें छक्के एक्ट और आर्म्स एक्ट के केस भी शामिल हैं।इस त्वरित खुलासे में पुलिस टीम की मुस्तैदी काबिले-तारीफ रही, खासकर कांस्टेबल धीरज सुगड़ा और रोहित कुमार की भूमिका अहम रही।

हिन्दी दैनिक जोखिम

सम्पादकीय

सपना दूर जाने की आशंका

एआई के कारण नौजवानों के लिए मध्यवर्गीय जिंदगी का सपना लगातार दूर होते जाने की आशंका है। भारत के नीतिकारों को इसका आभास है। मगर उनके पास इसका ठोस एवं सार्थक समाधान भी है, ऐसा कोई संकेत उन्होंने नहीं दिया है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) से वित्त, प्रबंधन, कंप्यूटर साइंस, गणित, इंजीनियरिंग, विधि और कार्यालय प्रशासन के क्षेत्रों में मौजूद रोजगार पर सबसे अधिक खतरा है। इन क्षेत्रों में एआई के जरिए सबसे पहले उन कार्यों को करना शुरू किया गया है, जिसे सबसे जूनियर कर्मचारी करते हैं। यानी जो नौजवान इन क्षेत्रों में करियर बनाने की उम्मीद लिए बैठे हैं, उनके लिए रास्ता कठिन होता जा रहा है। ये बातें एआई कंपनी एंथ्रोपिक ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कही है।इस अध्ययन रिपोर्ट को श्श्रम बाजार पर एआई का प्रभाव: नया पैमाना और आरंभिक साक्ष्य्य शीर्षक से प्रकाशित किया गया है। हाई टेक क्षेत्र में बहुत से कार्यों को संपन्न कर देने की क्षमता के कारण एंथ्रोपिक का एआई मॉडल- क्लाउड- हाल में चर्चा में रहा है। हालांकि एंथ्रोपिक का कहना है कि फिलहाल उसका मॉडल पेशेवरकर्मियों के कार्यों का सिर्फ 33 फीसदी हिस्सा ही संपन्न करने में सक्षम हुआ है। इसके बावजूद इसके उपयोग से अनेक क्षेत्रों नौकरियां जाने लगी हैं। सबसे ज्यादा प्रभावित कंप्यूटर प्रोग्रामिंग और कस्टमर सर्विस के क्षेत्र हुए हैं। आने वाले समय में मॉडल की क्षमता बढ़ने के साथ इन क्षेत्रों में मानव श्रम के लिए रोजगार के अवसर बेहद सिमट जाएंगे।रिपोर्ट के मुताबिक एआई मॉडल्स से कंस्ट्रक्शन, कृषि, स्वास्थ्य देखभाल, पर्सनल केयर आदि क्षेत्रों में रोजगार पर न्यूनतम असर पड़ेगा। मगर भारत जैसे देश के लिए भी ये सीमित राहत की ही बात है। इसलिए कि जिन क्षेत्रों को एआई मॉडल्स प्रभावित करने जा रहे हैं, उनमें बने रोजगार के अवसर ही गुजरे तीन दशकों में भारत में मध्य वर्ग के प्रसार का जरिया रहे हैं। रिपोर्ट में कहा है कि 22 से 25 वर्ष उम्र के जो छात्र अभी पढ़ कर निकले हैं, उनके लिए इन क्षेत्रों में अवसर तेजी से सिकुड़ रहे हैं। यानी नौजवान आबादी के लिए मध्यवर्गीय जिंदगी का सपना लगातार दूर होते जाने की आशंका है। भारत के नीतिकारों को इसका आभास है, इसका संकेत पिछले साल नीति आयोग की एक रिपोर्ट से मिला था। मगर, उनके पास इसका ठोस एवं सार्थक समाधान भी है, ऐसा कोई संकेत उन्होंने नहीं दिया है।

महिलाओं ने मां कुंजापुरी मंदिर की निशुल्क यात्रा की

ऋषिकेश (संवाददाता)। गढ़ महिला उत्थान समिति की ओर से रविवार को क्षेत्र की महिलाओं को मां कुंजापुरी मंदिर की यात्रा कराई गई। इस दौरान महिलाओं ने मां कुंजापुरी मंदिर के दर्शन किए। खैरी खुर्द ठाकुरपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान यात्रा संयोजक जयेंद्र रमोला ने हरी झंडी दिखाकर क्षेत्रीय महिलाओं से भरी बस को सिद्धपीठ मां कुंजापुरी मंदिर के लिए रवाना किया। उन्होंने कहा कि नवरात्र के मौके पर गढ़ महिला उत्थान समिति द्वारा महिलाओं को देवी दर्शन की निशुल्क यात्रा करवाई जा रही है, जो सराहनीय है। समिति द्वारा निरंतर ऐसे पुण्य और सराहनीय कार्य किए जा रहे हैं, जिससे महिलाओं को मां भगवती के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। समाज में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और उन्हें धार्मिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने का यह एक अच्छा प्रयास है। समिति अध्यक्ष कुसुमलता शर्मा ने कहा कि समिति का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के साथ साथ महिलाओं के माध्यम से संस्कृति और परंपराओं को आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाना है। सचिव कृष्णा जयेन्द्र रमोला ने कहा कि समिति लगातार महिलाओं को समय-समय पर देवी-देवताओं के पवित्र धामों के दर्शन करवाने के लिये निशुल्क यात्राओं का आयोजन किया जा रहा है। ऐसी यात्राओं से महिलाओं में आस्था, एकता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। आगे भी समिति इसी तरह महिलाओं को धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों से जोड़ने का कार्य करती रहेगी।

बिहार में नीतीश कुमार युग का अंत

अजीत द्विवेदी

बिहार में नीतीश कुमार युग का अंत हो गया है। इसमें कोई हैरानी या दुख की बात नहीं है। हर नेता का युग आता है और समाप्त होता है। बिहार में ही जैसे लालू प्रसाद का युग खत्म हुआ वैसे ही नीतीश का भी खत्म हुआ। फर्क इतना है कि लालू प्रसाद चुनाव हार कर विदा हुए। बिहार की जनता ने उनको हराया और उनके युग का अंत किया तो दूसरी ओर नीतीश कुमार को बिहार की जनता ने भारी बहुमत से जिताया फिर भी उनकी विदाई हुई और दुर्भाग्य यह है कि नीतीश जैसे बघ्डे नेता की विदाई उनकी अपनी शर्तों पर नहीं हुई। नीतीश कुमार इससे बेहतर विदाई के हकदार थे। उनका जितना बड़ा राजनीतिक कद रहा और उन्होंने जिस किस्म की राजनीति की उसमें ज्यादा सम्मान के साथ और अपनी शर्तों पर उनकी विदाई होनी चाहिए थी। लेकिन भारतीय जनता पार्टी के मौजूदा नेतृत्व के दौर में उनका कोई भी सहयोगी नेता सम्मान के साथ विदा होने या अलग होने की नहीं सोच सकता है। बादल परिवार से लेकर चौटाला परिवार और भजनलाल परिवार से लेकर ठाकरे परिवार और नीतीश कुमार तक इसकी मिसाल हैं।

नीतीश की विदाई को लेकर बार बार इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि वे राज्यसभा जा रहे हैं। ऐसा लग रहा है, जैसे राज्यसभा की सीट से मुख्यमंत्री की कुर्सी का मोलभाव हुआ है। यह कितनी बेहूदा बात है! नीतीश कुमार जब चाहते तब राज्यसभा जा सकते थे। इस बार भी अपने विधायकों के दम पर उनको राज्यसभा की दो सीटें मिलेंगी। इसलिए वे किसी की कृपा से राज्यसभा नहीं जा रहे हैं। दूसरी बात यह है कि उन्होंने पिछले 25 साल में अनगिनत लोगों को राज्यसभा भेजा है। ऐसे लोगों को, जो कभी सोच भी नहीं सकते थे उनको नीतीश ने उच्च सदन में पहुंचाया। इसलिए मुख्यमंत्री पद से उनकी विदाई को राज्यसभा से जोड़ना मूर्खतापूर्ण काम है। इसी तरह इस तर्क का भी कोई अर्थ नहीं है कि भाजपा विधानसभा की सबसे बड़ी पार्टी है इसलिए उसका मुख्यमंत्री बनना चाहिए। यह बात पिछली विधानसभा में क्यों नहीं कही गई? पिछली विधानसभा में तो नीतीश कुमार के पास 43 और भाजपा के पास 74 विधायक थे।तीसरी बात उनकी सेहत की है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि उनकी सेहत खराब है। वे मानसिक रूप से इस स्थिति में नहीं हैं कि राजनीति और शासन जैसे जटिल काम कर सकें। यह उनकी विदाई का आधार तो बनता है लेकिन ऐसी स्थिति में भी विदाई उनकी शर्तों पर होती। यानी सरकार की कमान उनकी पार्टी के हाथों में होती। अगर उनके चेहरे पर चुनाव लड़ा और जीता गया है तो मुख्यमंत्री तय करने का काम उनको करना चाहिए था। वह काम भारतीय जनता पार्टी कर रही है। इसी से पता चल रहा है कि इस पूरे प्रकरण में नीतीश कुमार के हाथ में कुछ भी नहीं है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जो पोस्ट लिखी है उसमें उनकी दयनीयता और झलक रही है। उन्होंने लिखा है कि वे चारों सदनों का सदस्य रहना चाहते थे इसलिए राज्यसभा जा रहे हैं। सोचें, बिहार में उपेंद्र कुशवाहा और नागमणि जैसे नेता चारों सदनों के सदस्य रहे हैं। क्या यह नीतीश कुमार जैसे नेता के कद के अनुरूप है कि वे ऐसी लचर दलील के साथ विदा हों?असल में उनकी विदाई की पटकथा 14 नवंबर 2025 को आए नतीजों ने लिख दी थी। बिहार विधानसभा का आंकड़ा ऐसा बना, जिसने नीतीश की स्थिति को कमजोर कर दिया। इसकी शुरुआत सीटों के बंटवारे के समय हो गई थी। पहले जनता दल यू हमेशा बड़े भाई की तरह चुनाव लड़ती थी। विधानसभा चुनाव में उसकी सीटों की संख्या ज्यादा होती थी। इस बार जदयू को भाजपा की बराबरी पर लाया गया। उसके बाद तीन सहयोगी पार्टियों को 43 सीटें दी गईं। उसी समय यह स्पष्ट हो गया कि सहयोगियों के साथ भाजपा 143 और जदयू एक सौ सीटों पर लड़ रही है।चुनाव नतीजों में भाजपा और तीन सहयोगी पार्टियों को मिल कर 117 सीटें आ गईं यानी बहुमत से सिर्फ पांच कम। दूसरी ओर मुख्य विपक्षी पार्टी राजद की सीटें बहुत कम हो गईं। राजद को सिर्फ 25 और समूचे विपक्षी गठबंधन को 35 सीटें मिलीं। उसी समय नीतीश कुमार की विदाई तय हो गई थी, सिर्फ समय का इंतजार हो रहा था। असल में 2020 में नीतीश कुमार सिर्फ 43 सीटें जीत कर जितने मजबूत थे, 2025 में 85 सीटें जीत कर उतने ही कमजोर हो गए। 2020 में राजद 75 सीट वाली पार्टी थी और कांग्रेस व लेफ्ट की 32 सीटें थीं। सो, भाजपा की कभी नीतीश को आंख दिखाने की हिम्मत नहीं हुई। नीतीश ने अपनी मर्जी से भाजपा का साथ छोड़ कर राजद के साथ सरकार बनाई और फिर भाजपा के साथ भी मुख्यमंत्री बन कर लौटे। इस विधानसभा में वैसी स्थिति नहीं है। एक तो भाजपा इतिहास में पहली बार चुनाव जीत कर सबसे बड़ी पार्टी बनी और दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन पूरी तरह से समाप्त हो गया।इसके बावजूद अगर नीतीश कुमार की मानसिक और शारीरिक स्थिति अच्छी होती तो वे अपने हिसाब से बिहार की राजनीति को संचालित कर सकते थे। क्योंकि उनके पास लोकसभा में 12 सांसद हैं, जिनकी नरेंद्र मोदी सरकार को जरुरत है। लेकिन नीतीश कुमार इसके दम पर भी मोलभाव नहीं कर पाए क्योंकि उनका अपना स्वास्थ्य ठीक नहीं है और उन्होंने इस काम के लिए अपनी पार्टी के जिन लोगों पर भरोसा किया वो उनकी कसौटियों पर खरे नहीं उतरे। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह और पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा की जिम्मेदारी थी कि वे नीतीश कुमार और जनता दल यू के हितों की रक्षा करें। इस काम में दोनों बुरी तरह से विफल हुए हैं।यह सही है कि नीतीश कुमार की सेहत ठीक नहीं है और वे राजनीति व सरकार की जटिल कार्यप्रणाली को संभालने की स्थिति में नहीं हैं। लेकिन अगर उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेता ईमानदार होते तो नीतीश कुमार की विदाई के बाद भी जनता दल यू का ही मुख्यमंत्री बनता। अभी वैसा होता नहीं दिख रहा है। ध्यान रहे जनता दल यू ने पिछला चुनाव श्2025 से 30 फिर से नीतीश्य्य के नारे पर लड़ा था। इसलिए अगर सेहत के आधार पर नीतीश हटते हैं तो उनकी पसंद से उनकी पार्टी का कोई दूसरा नेता मुख्यमंत्री बनता तो इसे स्वाभाविक माना जाता। तभी सत्ता का हस्तांतरण स्वाभाविक नहीं है। इसलिए भाजपा को बहुत सोच समझ कर आगे बढ़ना होगा। उसे राजनीतिक और सामाजिक दोनों संतुलन बनाने पर ध्यान देना होगा।बहरहाल, आने वाले दिनों में लंबे समय तक नीतीश कुमार के राजनीतिक योगदान की चर्चा होगी और बिहार के विकास या बदलाव में बतौर मुख्यमंत्री उनकी जो भूमिका रही उसकी भी चर्चा होगी। परंतु साथ ही यह बात भी इतिहास में दर्ज होगी कि इतने बड़े नेता के साथ अंत में कैसा बरताव हुआ। इतिहास इस बात को भी याद रखेगा कि जीवन भर परिवारवाद, वंशवाद और भ्रष्टाचार से दूर रहे एक नेता को उसकी सहयोगी पार्टी ने कैसे विदा किया। अब बिहार की राजनीति बुनियादी रूप से बदलेगी। विचारधारा के स्तर पर भी टकराव बढ़ेगा और सामाजिक स्तर भी संघर्ष की स्थितियां बनेंगी। यह सबक भी याद रखा जाएगा कि सहयोगी व सलाहकार कैसे चुना जाना चाहिए। ध्यान रहे बिहार का इतिहास विश्वासघात और भक्ति दोनों का नहीं रहा है। बिहार का इतिहास प्रतिरोध का रहा है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

धामी सरकार के चार सालः विकास, विश्वास और नई दिशा का उत्तराखण्ड मॉडल

देहरादून (संवाददाता)। उत्तराखण्ड में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में बीते चार वर्षों ने राज्य की विकास यात्रा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है। यह दौर केवल योजनाओं की घोषणा का नहीं, बल्कि जमीनी क्रियान्वयन और परिणामों का रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "विकसित भारत /2047" के विजन को साकार करने में उत्तराखण्ड ने खुद को एक अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित किया है। सबसे बड़ी उपलब्धि के रूप में उत्तराखण्ड देश का पहला राज्य बना जिसने समान नागरिक संहिता लागू की। इसके साथ ही सशक्त भू-कानून, सख्त धर्मांतरण विरोधी कानून और नकल विरोधी कानून जैसे ऐतिहासिक निर्णयों ने शासन व्यवस्था को पारदर्शी और मजबूत बनाया। नकल विरोधी कानून के बाद भर्ती प्रक्रियाओं में विश्वास बढ़ा और चार वर्षों में 32 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी मिलना इसका प्रमाण है। आर्थिक मोर्चे पर भी राज्य ने उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 2024-25 में राज्य का जीएसडीपी ध्3.81 लाख करोड़ तक पहुँच गया, जो 2021-22 की तुलना में डेढ़ गुना वृद्धि दर्शाता है। प्रति व्यक्ति आय बढ़कर ध्2.73 लाख हो गई है, जबकि मल्टी डायमेंशनल पॉवर्टी इंडेक्स घटकर 6.92 प्रतिशत पर आ गया है। राज्य का ग्रोथ रेट 7. 23 प्रतिशत रहा, जो मजबूत आर्थिक आधार को दर्शाता है। औद्योगिक विकास के क्षेत्र में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान ध्3.56 लाख करोड़ के एमओयू साइन हुए, जिनमें से ध। लाख करोड़ से अधिक का निवेश जमीन पर उतर चुका है। स्टार्टअप इकोसिस्टम में उत्तराखण्ड को "लीडर" का दर्जा मिला है, वहीं एमएसएमई की संख्या बढ़कर लगभग 80 हजार तक पहुँच गई है। इससे लाखों लोगों को रोजगार के अवसर मिले हैं। स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में अटल आयुष्मान योजना के तहत 61 लाख कार्ड बनाए गए और 17 लाख से अधिक मरीजों को ध्3400 करोड़ से अधिक का मुफ्त इलाज मिला। महिलाओं के लिए 30 प्रतिशत आरक्षण, सहकारी समितियों में 33 प्रतिशत भागीदारी और "लखपति दीदी" योजना के माध्यम से 2.5 लाख से अधिक महिलाओं का सशक्तिकरण, राज्य की सामाजिक समावेशन नीति को दर्शाता है।पर्यटन और धार्मिक आस्था के क्षेत्र में भी उत्तराखण्ड ने नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। वर्ष 2025 में 6 करोड़ से अधिक पर्यटकों का आगमन हुआ, जबकि चारधाम यात्रा और कांवड़ यात्रा में रिकॉर्ड श्रद्धालु पहुंचे। केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत विकास कार्य जारी हैं। साथ ही, मानसखंड मंदिर माला मिशन और शीतकालीन यात्रा की शुरुआत ने पर्यटन को वर्षभर सक्रिय बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है।इंफ्रास्ट्रक्चर विकास में भी राज्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना, दिल्ली-देहरादून एलिवेटेड रोड, रोपवे परियोजनाएं और हेली सेवाओं का विस्तार, कनेक्टिविटी को नई दिशा दे रहे हैं। राज्य में हेलीपोर्ट और हेलीपैड की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में भी नवाचार देखने को मिला है। मिलेट्स नीति, कीवी नीति और ड्रैगन फ्रूट योजना के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। "हाउस ऑफ हिमालयाज" ब्रांड के जरिए स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार मिल रहा है।धामी सरकार के चार वर्ष उत्तराखण्ड के लिए परिवर्तनकारी रहे हैं। कानून व्यवस्था से लेकर अर्थव्यवस्था, पर्यटन, सामाजिक कल्याण और बुनियादी ढांचे तक हर क्षेत्र में व्यापक सुधार हुए हैं। केंद्र सरकार के सहयोग और मजबूत नेतृत्व के साथ उत्तराखण्ड अब विकसित भारत के निर्माण में एक सशक्त भागीदार बनने की ओर तेजी से अग्रसर है।

.... हमारा संकल्प केवल विकास नहीं, बल्कि समग्र और संतुलित विकास है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में उत्तराखण्ड को श्रेष्ठ राज्य बनाने की दिशा में हम निरंतर कार्य कर रहे हैं। विकसित भारत /2047 के लक्ष्य में उत्तराखण्ड अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।
- पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री

चार साल बेमिसालः सशक्त नेतृत्व में बदला उत्तराखण्ड का स्वरूप, ऐतिहासिक फैसलों से विकास को नई दिशा

देहरादून (संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार ने अपने चार वर्ष के दौरान कई ऐसे ऐतिहासिक और सशक्त फैसले लिए, जिनसे राज्य की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत हुई है। सबसे बड़ी उपलब्धि के रूप में उत्तराखण्ड देश का पहला राज्य बना, जहां समान नागरिक संहिता लागू की गई। इसके साथ ही राज्य में सशक्त भू-कानून, सख्त धर्मांतरण विरोधी कानून और दंगारोधी कानून लागू कर कानून-व्यवस्था को और मजबूत किया गया है। सरकार ने युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया। इसका परिणाम यह रहा कि बीते चार वर्षों में 30 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां मिलीं, जिससे पारदर्शिता और भरोसा दोनों बढ़े हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी बड़ा बदलाव करते हुए उत्तराखण्ड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण का गठन किया गया, जिसके अंतर्गत मदरसा बोर्ड को समाप्त कर दिया गया है। अब यही प्राधिकरण पाठ्यक्रम और शिक्षा व्यवस्था को नियंत्रित करेगा। वहीं, अवैध अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए राज्य में 12 हजार एकड़ से अधिक सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया है, जो प्रशासनिक दृढ़ता का बड़ा उदाहरण माना जा रहा है।महिलाओं के सशक्तिकरण पर विशेष फोकसः धामी सरकार ने महिलाओं के सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए कई अहम फैसले लिए हैं। सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण लागू किया गया, वहीं सहकारी प्रबंध समितियों में 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया गया है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना शुरू की गई। प्रदेश में अब तक 2.54 लाख से अधिक महिलाएं "लखपति दीदी" बन चुकी हैं, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का संकेत है। स्वयं सहायता समूहों को ध्5 लाख तक का बिना ब्याज ऋण देकर महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है।

धामी सरकार ने आंदोलनकारियों, सैनिकों और आमजन को दिया सशक्त सहारा

देहरादून (संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार ने अपने चार साल के कार्यकाल में राज्य आंदोलनकारियों, सैनिकों और आमजन के सम्मान व कल्याण को प्राथमिकता देते हुए कई ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं।आंदोलनकारियों और सैनिकों को सम्मानः राज्य आंदोलनकारियों के योगदान को सम्मान देते हुए सरकारी नौकरियों में उन्हें 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण प्रदान किया गया है। इसके साथ ही उनके आश्रितों की पेंशन 3000 से बढ़ाकर 5500 प्रतिमाह कर दी गई है।वहीं, राज्य आंदोलन के दौरान 7 दिन जेल गए अथवा घायल हुए आंदोलनकारियों की पेंशन भी 6000 से बढ़ाकर ध्7000 प्रतिमाह कर दी गई है, जो उनके संघर्ष के प्रति सरकार की संवेदनशीलता को दर्शाता है।सैनिकों के सम्मान में भी बड़े फैसले लिए गए हैं। शहीद सैनिकों के आश्रितों को मिलने वाली अनुग्रह राशि 10 लाख से बढ़ाकर ध्50 लाख कर दी गई है। वहीं, परमवीर चक्र विजेताओं के लिए यह राशि 50 लाख से बढ़ाकर ध्1.5 करोड़ कर दी गई है।इसके अलावा, राज्य में अग्निवीर योजना के अंतर्गत सेवा देने वाले युवाओं को भी सरकारी नौकरियों में 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण देने का निर्णय लिया गया है।'सेवा का संकल्प' से जन-जन तक पहुंची सरकारः धामी सरकार की "जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार" पहल ने जनसेवा के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस अभियान के तहत प्रदेशभर में 686 शिविर आयोजित किए गए, जिनमें 5.37 लाख से अधिक लोगों ने भाग लिया।इन शिविरों के माध्यम से 2.96 लाख से अधिक नागरिकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ मिला। वहीं, प्राप्त 51,317 शिकायतों में से 33,990 का मौके पर ही समाधान किया गया, जो प्रशासन की तत्परता को दर्शाता है।डिजिटल सेवाओं को बढ़ावा देते हुए अपुणि सरकार पोर्टल के माध्यम से करीब 950 सेवाओं को ऑनलाइन उपलब्ध कराया गया है, जिससे आम नागरिकों को घर बैठे सुविधाएं मिल रही हैं।समाज के हर वर्ग का ध्यानः सरकार ने वृद्धजनों के लिए वृद्धावस्था पेंशन बढ़ाकर ध्1500 कर दी है, जिससे अब बुजुर्ग दंपत्ति दोनों को इसका लाभ मिल रहा है। इसके अलावा, वृद्ध एवं आर्थिक रूप से कमजोर कलाकारों और लेखकों की मासिक पेंशन 3000 से बढ़ाकर ध्6000 करने का निर्णय लिया गया है। समावेशी विकास की दिशा में मजबूत कदमः चार वर्षों में लिए गए इन फैसलों से स्पष्ट है कि राज्य सरकार ने न केवल विकास को गति दी है, बल्कि समाज के हर वर्ग आंदोलनकारी, सैनिक, बुजुर्ग, महिलाएं और आम नागरिकध्को साथ लेकर चलने का प्रयास किया है। सरकार का लक्ष्य "सेवा, सम्मान और सुशासन" के मूल मंत्र के साथ उत्तराखण्ड को एक सशक्त और संवेदनशील राज्य के रूप में स्थापित करना है।

एआई ने बीमारियों की पहचान और सटीकता को नए आयाम दिए

ऋषिकेश (संवाददाता)। श्रीदेव सुमन विवि परिसर ऋषिकेश में रविवार को पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ, जिसमें जीवन विज्ञान में अनुप्रयुक्त जीनोमिक्स, आणविक निदान और अनुवादात्मक अनुसंधान में उन्नत प्रणालियों में नये आयाम विषय पर विशेषज्ञों ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यशाला का शुभारंभ परिसर निदेशक प्रो. एमएस रावत ने किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक आणविक तकनीकियों से रोगों की पहचान और जांच में तेजी आई है। प्रयोगशालाओं में एआई ने बीमारियों की पहचान की गति और सटीकता को नये आयाम दिए हैं। माइक्रोबायोलॉजिस्ट सोसायटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. एके देशमुख ने सभी प्रतिभागियों से अनुशासित रूप से सीखने और अपनी क्षमता को विकसित करने पर जोर दिया। कार्यशाला समन्वयक एवं डीएनए लैब के प्रबंधक निदेशक डॉ. नरोत्तम शर्मा ने बताया कि कार्यशाला के उद्देश्य को विस्तारपूर्वक समझाया। उन्होंने कहा कि कार्यशाला के शुरूआती तीन दिन ऑनलाइन सत्र चलाए जा रहे हैं, जबकि अंतिम दो दिन ऑफ लाइन सत्र चलाए जाएंगे। प्रथम तकनीकी सत्र में एम्स ऋषिकेश के एडिशनल प्रो., पैथोलॉजी डॉ. नीलोत्पल चौधरी ने कहा कि चिकित्सा विज्ञान में पीसीआर एवं एनजीएस जैसी उन्नत तकनीकों ने बीमारियों के सटीक निदान और उपचार में एक नई क्रांति ला दी है। द्वितीय तकनीकी सत्र में डीएनए लैब की प्रभारी एवं मैक्स हॉस्पिटल की माइक्रोबायोलॉजिस्ट डॉ. हीना रोहिला ने कहा कि चिकित्सा निदान के क्षेत्र में ऑटोमेशन एक क्रांतिकारी बदलाव लेकर आया है। सूक्ष्मजीव विज्ञान की प्रयोगशालाओं में अब रोबोटिक प्रणालियों और आधुनिक मशीनों के उपयोग से बीमारियों की पहचान पहले से कहीं अधिक सटीक हो गई है, जो कल्चर रिपोर्ट पहले 48-72 घंटों में आती थी, अब ऑटोमेटेड सिस्टम उसे कुछ ही घंटों में तैयार कर देते हैं।

कॉर्मिशयल सिलेंडर की किल्लत से बढ़ी परेशानी

ऋषिकेश (संवाददाता)। नगर क्षेत्र में संचालित गैस एजेंसियों में कॉर्मिशयल गैस की किल्लत बनी हुई है, जिससे होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा और फूड स्टॉल संचालकों की परेशानियां बढ़ी हुई हैं। धार्मिक संस्थाओं ने अन्न क्षेत्र को जारी रखने के लिए वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों का रूख जरूर किया है, लेकिन व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में गैस की कमी से संचालक परेशान हैं। उन्हें आर्थिक संकट का डर सता रहा है। पूर्ति विभाग के मुताबिक ऋषिकेश व आसपास ग्रामीण क्षेत्र में दस गैस एजेंसियां हैं। इनमें 1,790 उपभोक्ता कॉर्मिशयल हैं। सप्ताहभर पहले से सरकार ने व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के लिए कॉर्मिशयल सिलेंडर की संख्या को निर्धारित किया था। इसके बाद से व्यवसायिक प्रतिष्ठान संचालकों के चेहरों पर हल्की मुस्कान जरूरी दिखी थी, मगर एजेंसियों में कॉर्मिशयल सिलेंडरों को स्टॉक कम होने की वजह से उन्हें निर्धारित गैस भी नहीं मिल पा रही है। हरिद्वार रोड पर फूड स्टॉल चलाने देवेश नेगी ने बताया कि गैस सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है, जिसके चलते काम करना ही मुश्किल हो गया है।

हिन्दी दैनिक
जोखिम

23 मार्च से 31 मार्च तक साम्राज्यवाद विरोधी- युद्ध विरोधी सप्ताह के रूप में मनाया जायेगा

हल्द्वानी (संवाददाता)। ' शहीदे आजम भगत सिंह, राजगुरू, सुखदेव के शहादत दिवस 23 मार्च की पूर्व संध्या पर समानता पर आधारित समाजवादी समाज का सपना पूरा करने और साम्राज्यवादी युद्ध के विरोध का संकल्प ' 23 मार्च से 31 मार्च तक साम्राज्यवाद विरोधी- युद्ध विरोध ी सप्ताह के रूप में मनाया जायेगा भाकपा माले हल्द्वानी ब्रांच द्वारा शहीदे आजम भगत सिंह, राजगुरू, सुखदेव के शहादत दिवस 23 मार्च की पूर्व संध्या पर उन्हें याद करते हुए कार्यक्रम का आयोजन दमुआढूंगा में किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत भगत सिंह के प्रिय नारे इंकलाब जिंदाबाद - साम्राज्यवाद मुर्दाबाद को बुलंद करके की गयी. भाकपा माले द्वारा शहीदे आजम भगत सिंह, राजगुरू, सुखदेव के शहादत दिवस 23 मार्च से लेकर शहीद चन्द्रशेखर श्चंदूश के शहादत दिवस 31 मार्च तक पूरे देश में ष्साम्राज्यवाद विरोधी- युद्ध विरोध ी सप्ताह के रूप में मनाया जा रहा है. वक्ताओं ने कहा कि, 23 मार्च 1931 को भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव ने ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ अपने प्राण न्योछावर किए। उनका बलिदान केवल आजादी की लड़ाई का एक अध्याय नहीं, बल्कि शोषण और साम्राज्यवाद के खिलाफ निरंतर संघर्ष का प्रतीक है। भगत सिंह का विचार स्पष्ट थाख़सिर्फ

राजनीतिक आजादी काफी नहीं है, असली आजादी तब होगी जब मेहनतकश जनता हर प्रकार के शोषण से मुक्त होगी। उन्होंने लेनिन की ही तरह साम्राज्यवाद को "मनुष्य द्वारा मनुष्य के शोषण की चरम अवस्था" माना और इसके खिलाफ समाजवादी क्रांति का आह्वान किया।भाकपा माले नैनीताल जिला सचिव डॉ कैलाश पाण्डेय ने कहा कि, आज दुनिया एक बार फिर साम्राज्यवादी ताकतों के संघर्षों और युद्धों से जूझ रही है. अमेरिका-इजराइल गठजोड़ के नेतृत्व में साम्राज्यवादी शक्तियों ने आर्थिक और सामरिक हितों के लिए ईरान पर हमला कर दिया है. ईरान, वेनेजुएला समेत तमाम देशों की संप्रभुता को ताक पर रखकर पूरी दुनिया को अमेरिकी साम्राज्यवाद युद्ध में झोंक रहा है। विभिन्न देशों में अपने सैन्य अड्डे स्थापित करना, गैस-तेल और प्राकृतिक संसाधनों पर कब्जा, हथियारों की होड़ और सैन्य गठबंधनों का विस्तार दुनिया को अस्थिर बना रहा है। पूरी दुनिया के गरीब देशों को नवउपनिवेश बनाने की साम्राज्यवादी मुहिम चल रही है.माले नेता ने कहा कि, भारत में भी साम्राज्यवाद के नए रूप दिखाई दे रहे हैं - अमेरिकी हितों के सामने मोदी सरकार का शर्मनाक समर्पण, बहुराष्ट्रीय कंपनियों और कॉरपोरेट पूंजी का बढ़ता दबदबा, प्राकृतिक संसाधनों की लूट, श्रम अधिकारों पर हमले, लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन, जनता को उनके वास आवास से उजाड़ने पर आमादा बुलडोजर राज, जनता में साम्प्रदायिक विभाजन पैदा करना, देश की आजादी और संप्रभुता को दरकिनार कर अमेरिकी साम्राज्यवाद के सामने पूर्ण समर्पण करते हुए एक नए कंपनी राज का आगाज किया जा रहा है-ऐसे समय में भगत सिंह की साम्राज्यवाद विरोधी क्रांतिकारी विरासत हमें रास्ता दिखाती है.

इस अवसर पर शहीदे आजम भगत सिंह के विचारों पर चलते हुए देश में आमूल चूल परिवर्तन की लड़ाई के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने और सम्राज्यवादी युद्धों का विरोध करने संकल्प लिया गया.इस अवसर पर डॉ कैलाश पाण्डेय, जोगेंद्र लाल, दीपक कांडपाल, मनोज सिंह आर्य, धन सिंह, गोकुल कुमार, मुकेश जोशी, विवेक ठाकुर, रवीन्द्र पाल सिंह, दूधनाथ भारती, चंद्र सिंह, नरेंद्र सिंह बानी आदि शामिल रहे.

दर्शन उत्सव के दूसरे दिन सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

अल्मोड़ा (संवाददाता)। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज और संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में रैमजे इंटर कॉलेज में आयोजित दर्शन उत्सव 2026 के दूसरे दिन विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को आकर्षित किया। कार्यक्रम का आयोजन घुश्मेश्वर महिला समिति धारानौला के सौजन्य से किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत उत्तराखंड की छपेली और झुमैला नृत्य से हुई, जिसमें लोकसंस्कृति की झलक देखने को मिली। पारंपरिक वेशभूषा और तालमेल ने दर्शकों को प्रभावित किया और वातावरण उत्सवमय बना दिया। इसके बाद दिल्ली की टीम ने नृत्य नाटिका प्रस्तुत की, जो कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रही। श्ध नमः शिवायश्, श्धारा होगीश और श्ओ रंगरेजश जैसे विषयों पर आधारित प्रस्तुतियों में अध्यात्म और आधुनिकता का समन्वय देखने को मिला। हरियाणा की टीम ने फाग और पनिहारी नृत्य के माध्यम से ग्रामीण जीवन को प्रस्तुत किया, जबकि असम की टीम ने बिहू नृत्य से अपनी सांस्कृतिक परंपरा की झलक दिखाई। कार्यक्रम में लोकगायक राकेश खानवाल की प्रस्तुति ने माहौल को संगीतमय बना दिया, जिनके गीतों पर दर्शक झूम उठे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रघुनाथ सिंह चौहान, रवि रौतेला, विशिष्ट अतिथियों में तारा चंद्र जोशी, लता पांडे, विनीत बिष्ट, देवेंद्र भट्ट और वैभव पांडे सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जमीयत उलेमा का ईद मिलन प्रोग्राम

रामनगर (संवाददाता)। जमीयत उलेमा ए हिंद रामनगर का ईद मिलन प्रोग्राम मोहल्ला खताडी में जमीयत उलेमा के प्रदेश उपाध्यक्ष मौलाना जालीस अहमद कासमी के निवास पर हुआ। जिसमें जमीयत उलेमा ए हिंद ने आपसी इतिहाद भाईचारे की मिसाल पेश की सभी ने गले मिल कर एक दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी और सेवइयां खा कर खुशी का इजहार किया।इस मौके पर पूर्व दर्जा राज्यमंत्री पुष्कर दुर्गापाल, सभासद खसटी नंदन जोशी, पूर्व दर्जा राज्यमंत्री डॉक्टर निशांत पपने,खुशाल रावत,गोविंद नेगी, आसिफ सैफी, हाफिज अब्दुल वाहिद,कारी शमशाद,संजय बिष्ट,वाजिद अली,मास्टर जुयाल,हाजी यासीन,, मास्टर कैलाश, मोहम्मद हारिश, अबदुल वाजिद आदि मौजूद रहे।

युवक को चरस के साथ गिरफ्तार किया

रामनगर (संवाददाता)। कोतवाली पुलिस रामनगर ने एक युवक को चरस के साथ गिरफ्तार किया है।कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि रविवार सुबह पुलिस टीम हल्द्वानी मार्ग बेलगड़ पर चेकिंग कर रही थी।चैकिंग के दौरान एक युवक बाइक पर सवार होकर आता हुआ दिखाई दिया और पुलिस को देखकर भागने लगा।पुलिस ने कुछ दूरी पर जाकर उसे पकड़ लिया।आरोपी राज सागर पुत्र भारत सागर निवासी नई बस्ती गूलरघट्टी की तलाशी लेने पर उसके पास से 317 ग्राम चरस के साथ मय वाहन संख्या यूपी 21एएल-4600 के साथ गिरफ्तार किया गया।आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर कोर्ट में पेश किया गया।कोर्ट ने आरोपी को जेल भेज दिया है। इस दौरान पुलिस टीम में मालधन पुलिस चौकी इंचार्ज धर्मेन्द्र कुमार,हेड कांस्टेबल नवीन पाण्डे, कांस्टेबल संजय कुमार शामिल रहें।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक भव्य कार्यक्रम में जनसभा को संबोधित किया

हल्द्वानी (संवाददाता)। /केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक भव्य कार्यक्रम में जनसभा को संबोधित किया और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री धामी ने पिछले चार वर्षों में असाधारण कार्य किया है और वे न केवल धाकड़ बल्कि धुरंधर भी हैं।अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने कहा कि उत्तराखंड वेदों और देवों की भूमि है, जहां के लोगों में पर्वत जैसी अटलता देखने को मिलती है। उन्होंने बताया कि यह भूमि आस्था, अध्यात्म और संस्कृति की धरा है, ऋषि-मुनियों और तपोभूमि का घर है, जिसकी ज्ञान और साधना की परंपरा पूरे देश को दिशा देती है।रक्षा मंत्री ने कहा कि उत्तराखंड केवल तपोभूमि ही नहीं, बल्कि वीरभूमि भी है। देश की सीमाओं की सुरक्षा में उत्तराखंडी वीर पीछे नहीं रहते। उन्होंने मुख्यमंत्री धामी के दूसरे कार्यकाल के चार साल पूरे होने का जिक्र करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने पूर्व सैनिकों और शहीदों के परिजनों की चिंता के लिए विशेष कदम उठाए हैं। उदाहरण स्वरूप, परमवीर चक्र सम्मानित जवानों की अनुग्रह राशि को ध्50 लाख से बढ़ाकर ध्1.5 करोड़ किया गया है।राजनाथ सिंह ने बताया कि 2022 में धामी के नेतृत्व में भाजपा ने उत्तराखंड में स्पष्ट बहुमत हासिल किया था। उन्होंने कहा, "तब मैंने कहा था ये 'धाकड़ धामी' हैं, और अब मैं कहता हूं कि धाकड़ होने के साथ-साथ ये 'धुरंधर धामी' भी हैं। चार साल में उन्होंने चौका मारा है, छह साल में छक्का भी मारेंगे।"उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड ने हर क्षेत्र में तेजी से विकास किया है।ख़चाहे बुनियादी ढांचे का विकास हो, पर्यटन को नई दिशा देना हो या युवाओं को रोजगार देना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।राजनाथ सिंह ने राज्य में नारी सशक्तिकरण पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड कर्णावती, गौरा देवी और बछेंद्री पाल जैसी वीरांगनाओं की धरती है। यहां महिलाओं की भागीदारी सरकारी सेवाओं में बढ़ रही है, और सरकारी नौकरियों में मातृशक्ति को 30 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है।उन्होंने सैनिकों के सम्मान में सैन्य धाम और चारधाम ऑल वेदर रोड जैसी ऐतिहासिक परियोजनाओं का उल्लेख किया, जिससे यात्रियों को सुरक्षित और हर मौसम में यात्रा की सुविधा मिलेगी।राजनाथ सिंह ने कहा कि पहले उत्तराखंड में घोटाले होते थे, लेकिन अब सरकार ने 200 से अधिक भ्रष्टाचारियों को जेल भेजकर स्पष्ट संदेश दे दिया है कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। उन्होंने जनता से अपील की कि वे प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश के निर्माण और विकास में समर्थन दें।यह जनसभा मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व और उत्तराखंड के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विकास पर केंद्रित रही, जिसमें राज्यवासियों को गर्व और आशा का संदेश दिया गया।

हिन्दी दैनिक जोखिम

मुझे केरला स्टोरी-2 का हिस्सा होने पर गर्व है : उल्का गुप्ता

अभिनेत्री उल्का गुप्ता इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म केरला स्टोरी-2 को लेकर सुर्खियों में छाई हुई हैं। इस फिल्म में तीन अलग-अलग राज्यों की कहानी को दिखाया गया है, जिसमें धोखे से धर्मांतरण कराया गया है। अभिनेत्री उल्का गुप्ता ने फिल्म को समाज का आईना बताया। उल्का ने कहा कि फिल्में समाज का आईना होती है और समाज में जो हो रहा है, क्रिएटर्स या मेकर्स उसे अपने अंदाज में दिखाते हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अलग-अलग तरह की फिल्में या कहानियां बनती रहनी चाहिए क्योंकि कभी-कभी हम फिल्में मनोरंजन के लिए, तो कभी शिक्षा के लिए, तो कभी ड्रामा या रोमांस के लिए देखते हैं और जहां भी मुझे लगता है कि कहानी या फिर उसका किरदार पसंद आएगा, तो मैं उसमें हिस्सा लेना पसंद करती हूं।27 फरवरी 2026 को फिल्म केरल स्टोरी 2 रिलीज हुई थी और इसके पहले से ही फिल्म को लेकर विवाद, चर्चा और सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई थी। कई लोगों ने फिल्म को प्रोपेगेंडा करार दिया था, तो कुछ ने इसे गंभीर सामाजिक मुद्दे पर बनी फिल्म बताया था। हालांकि, काफी जगह से फिल्म को लेकर सकारात्मक रिस्पॉन्स भी देखने को मिल रहा है।

फिल्म को मिल रही प्रतिक्रिया को लेकर अभिनेत्री का कहना है, यह फिल्म 27 फरवरी को रिलीज हुई थी और धीरे-धीरे अब पूरे देश से बहुत पॉजिटिव फीडबैक मिला है। मेरा परिवार और दोस्त मुझे बता रहे हैं कि इस फिल्म का उन पर बहुत गहरा असर पड़ा है। कई चीजों ने उनकी आंखें खोल दी हैं।इस प्रोजेक्ट से अपने इमोशनल कनेक्शन को शेयर करते हुए उन्होंने कहा, मुझे केरला स्टोरी 2 का हिस्सा होने पर बहुत गर्व है।फिल्म साइन करने के बारे में उन्होंने बताया, मुझे इस रोल के लिए बहुत गर्व महसूस हुआ। मैंने सिर्फ अपने लक्ष्य पर फोकस किया, जो मेरा किरदार था। मैंने पूरी तरह एक्टिंग पर ध्यान दिया।उन्होंने कहा, मैं नतीजों के बारे में नहीं सोचती। अगर मैं यह सोचूं कि मुझे कितना प्यार या सम्मान मिलेगा, तो मैं अपने काम पर ध्यान नहीं दे पाऊंगी।

धुरंधर 2 के आगे दूसरे दिन बिगड़ा उस्ताद भगत सिंह का खेल, शॉकिंग है फ्राइडे का कलेक्शन

पवन कल्याण और डायरेक्टर हरीश शंकर की फिल्म उस्ताद भगत सिंह को लेकर लोगों में काफी उम्मीदें थीं. तेलुगू स्टार की पिछली रिलीज दे कॉल हिम ओजी ने बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़े थे, इसलिए उस्ताद भगत सिंह से भी वैसी ही उम्मीदें थीं. इसन ओपनिंग तो जबरदस्त की लेकिन दूसरे दिन ही इसकी कमाई की रफ्तार पटरी से उतर गई. चलिए यहां जानते हैं उस्ताद भगत सिंह ने रिलीज के दूसरे दिन कितना कलेक्शन किया है?पवन कल्याण और राशि खन्ना की लेटेस्ट फिल्म उस्ताद भगत सिंह 19 मार्च, 2026 को उगादी के मौके पर रिलीज हुई थी और इसका क्लैश रणवीर सिंह की धुरंधर 2 से हुआ. पहले दिन तो श्उस्ताद भगत सिंह्व ने साउथ में श्धुरंधर 2व पर दबदबा बनाते हुए अच्छी शुरुआत की थी लेकिन दूसरे दिन ही खेल बिगड़ गया और पवन कल्याण की एक्शन-कॉमेडी ड्रामी सिंगल डिजिट में सिमटती नजर आई.फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो उस्ताद भगत सिंह ने रिलीज के पहले दिन 34.75 करोड़ की नेट कमाई की थी. वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक इस फिल्म ने रिलीज के दूसरे दिन 9.25 करोड़ रुपये कमाए हैं. इसी के साथ उस्ताद भगत सिंह की दो दिनों की कुल कमाई 44 करोड़ हो गई है. वहीं इसका भारत में ग्रॉस कलेक्शन 52 करोड़ रुपये हुआ है.उस्ताद भगत सिंह सॉलिड शुरुआत के बाद दूसरे दिन ही बॉक्स ऑफिस पर लुढ़क गई. हालांकि ये 50 करोड़ के नेट कलेक्शन से इंचभर दूर है. बता दें कि पवन कल्याण की ये फिल्म 150 करोड़ के बजट में बनी है. रिलीज के दो दिनों में ये अभी अपना आधा बजट भी वसूल नहीं कर पाई है. हालांकि मेकर्स को उम्मीद है कि वीकेंड पर इसकी कमाई में तेजी आएगी और ये मोटा कलेक्शन कर अपनी लागत वसूलने के करीब पहुंच जाएगी.उस्ताद भगत सिंह और धुरंधर 2 का बॉक्स ऑफिस पर क्लैश हुआ था. जहां पहले दिन पवन कल्याण की फिल्म ने रणवीर सिंह की स्पाई थ्रिलर को जबरदस्त टक्कर दी तो वहीं दूसरे दिन ही उस्ताद भगत सिंह बॉक्स ऑफिस पर लड़खड़ा गई और इसके कलेक्शन में भारी गिरावट आई. वहीं धुरंधर 2 ने धमाकेदार ओपनिंग के बाद दूसरे दिन भी कहर बरपा दिया. बता दें कि धुरंधर 2की दो दिनों की भारत में कुल कमाई 226 करोड़ हो चुकी है जबकि उस्ताद भगत सिंह दो दिनों में 44 करोड़ ही कमा पाई है. यानी दोनों के कलेक्शन में जमीन आसमान का अंतर है.

बॉक्स ऑफिस पर श्धुरंधर 2 की सुनामी, फिल्म ने 200 करोड़ का आंकड़ा किया पार, वर्ल्डवाइड कमाई में मारी बाजी

नजर और सब्र के साथ, रणवीर सिंह सबसे बड़े भारतीय स्टार बन गए है. श्धुरंधर 2व ने श्धुरंधरव की इस लाइन को सच साबित कर दिया है, किस्मत की एक बहुत खूबसूरत आदत है, कि वो वक्त आने पर बदलती है. धुरंधर द रिवेंज पहले ही एक ब्लॉकबस्टर बन चुकी है, जिसने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं और नए बेंच मार्क सेट किए हैं. फिल्म का इतना बज बना हुआ है कि पेड प्रीव्यू शोज के बाद जहां इसने ऐतिहासिक ओपनिंग की तो वहीं दूसरे दिन भी इसने बॉक्स ऑफिस लूट लिया और कमाई के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए. चलिए यहां जानते हैं धुरंधर: द रिवेंज ने रिलीज के दूसरे दिन कितना कलेक्शन किया है?रणवीर सिंह और आदित्य धर की स्पाई थ्रिलर धुरंधर 2 सिर्फ रिकॉर्ड ही नहीं तोड़ रही है, बल्कि यह अपने लीड एक्टर के करियर ग्राफ को भी फिर से लिख रही है. जहां ज्यादातर फिल्में अपने पूरे रन में 100 करोड़ का आंकड़ा छूने के लिए संघर्ष करती हैं, वहीं धुरंधर 2 ने सिर्फ 48 घंटों में ही रणवीर सिंह के करियर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा दिया है. इस फिल्म ने वो कर दिखाया है तो बड़े-बड़े सुपरस्टार्स की फिल्में नहीं कर पाई हैं. इस फिल्म का नेट कलेक्शन 200 करोड़ के पार पहुंच गया है.फिल्म की कमाई की बात करें तो धुरंधर 2 ने पेड प्रीव्यू शो से 43 करोड़ रुपये बटोरे थे. इसके बाद इसने पहले दिन 102.55 करोड़ का कलेक्शन किया. वही सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक रिलीज के दूसरे दिन धुरंधर 2 ने 80.72 करोड़ कमाए हैं. जिसमें हिंदी में इसने 78.94 करोड़ का सबसे ज्यादा कलेक्शन किया है. इसके बाद इसने कन्नड़ में 0.03 करोड़, मलयालम में 0.01 करोड़, तमिल में 0.44 करोड़, तेलुगु में 1.30 करोड़ कमाए हैं. इसी के साथ इस फिल्म की पेड प्रीव्यू शो के कलेक्शन को मिलाकर कुल कमाई 226.27 करोड़ रुपये हो गई है.दो दिनों में, धुरंधर: द रिवेंज ने वर्ल्डवाइड 370 करोड़ की कमाई की है.

मोहनलाल की फिल्म दृश्यम 3 की रिलीज डेट टली?

जीतू जोसेफ द्वारा निर्देशित मोहनलाल की फिल्म दृश्यम 3, 2 अप्रैल, 2026 को रिलीज होने वाली थी। लेकिन मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष के कारण फिल्म की रिलीज स्थगित हो सकती है। जानें कब रिलीज होगी फिल्म?मोहनलाल की बहुप्रतीक्षित फिल्म दृश्यम 3 की आधिकारिक रिलीज डेट 2 अप्रैल 2026 तय की गई है। मोहनलाल ने खुद सोशल मीडिया पर इसकी पुष्टि की थी।रिपोर्ट के अनुसार, इस फिल्म की रिलीज टल सकती है। अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन चर्चा है कि यह मई या जून 2026 में रिलीज होगी।फिल्म की रिलीज टलने की मुख्य वजह मध्य पूर्व में चल रहा तनाव और संघर्ष है। ईरान-इजराइल-अमेरिका के बीच की स्थिति के कारण वहां सिनेमाघरों में फिल्म चलाना मुश्किल हो रहा है। खाड़ी क्षेत्र मलयालम फिल्मों का बहुत बड़ा बाजार है, जहां कई बार फिल्में केरल से ज्यादा कमाई करती हैं।

ओ रोमियो की ओटीटी रिलीज तय, 27 मार्च से अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी शाहिद कपूर की फिल्म

शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की फिल्म ओ रोमियो 13 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसकी डिजिटल स्ट्रीमिंग का इंतजार अब खत्म होने वाला है, क्योंकि यह ओटीटी पर दस्तक देने के लिए तैयार है। यह क्राइम-ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन विशाल भारद्वाज ने किया है, जबकि निर्माता साजिद नाडियाडवाला हैं। हालांकि, ओटीटी पर इसे देखने के लिए दर्शकों को अपनी जेब को ढीला करना पड़ेगा। यहां जानिए कि शाहिद की यह फिल्म कब और कहां दस्तक देगी।रिपोर्ट के मुताबिक, ओ रोमियो को 27 मार्च, 2026 से अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध करा दिया जाएगा। दर्शक इसे पे-पर-व्यू के जरिए देख सकते हैं। मतलब यह कि फिल्म को रेंट पर लेकर देखा जा सकेगा। वहीं, सभी प्राइम सब्सक्राइबर्स के लिए इसे अप्रैल के दूसरे हफ्ते में व्यापक स्तर पर मौजूद कराया जा सकता है। शाहिद अभिनीत ओ रोमियो के डिजिटल अधिकार अमेजन प्राइम वीडियो के पास हैं, इसलिए आने वाले समय में फिल्म इसी प्लेटफॉर्म पर आएगी।ओ रोमियो एक खूंखार गैंगस्टर उस्तरा की कहानी है, जिसका किरदार शाहिद ने निभाया है। उस्तरा की अपराधिक जिंदगी तब बदल जाती है, जब उसे एक लड़की से प्यार हो जाता है। इसके बाद उसकी कमजोरियां दुनिया के सामने आने लगती हैं। कहानी में अपराध, प्यार और इमोशंस का एक रोमांचक मिश्रण मौजूद है। फिल्म में नाना पाटेकर, अविनाश तिवारी, विक्रांत मैसी, दिशा पाटनी, वहीदा जलाल, तमन्ना भाटिया और हुसैन दलाल जैसे सितारे अहम किरदारों में शामिल हैं।

देहरादून में 'चार साल बेमिसाल' का जश्न, परेड ग्राउंड में उमड़ेगी भीड़, रूट डायवर्जन जारी

देहरादून(संवाददाता)। राज्य सरकार के चार साल बेमिसाल कार्यक्रम के जश्न को लेकर 23 मार्च (सोमवार) को परेड ग्राउंड में भव्य आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में भारी भीड़ जुटने की संभावना को देखते हुए यातायात पुलिस ने शहर का रूट डायवर्जन प्लान जारी कर दिया है। अगर आप आज घर से बाहर निकल रहे हैं, तो जाम की झंझट से बचने के लिए इस ट्रैफिक प्लान को जरूर देख लें। एसपी ट्रैफिक लोकजीत सिंह ने बताया कि परेड ग्राउंड के चारों ओर आउटर और इनर कॉर्डन बनाकर 14 बैरियर लगाए गए हैं। आम लोगों को असुविधा न हो, इसके लिए विक्रम और सिटी बसों के रूट में भी बदलाव किया गया है।कार्यक्रम में शामिल होने वाले वाहनों के लिए रूट और ड्रॉप प्वाइंट: मसूरी-राजपुर रोड से आने वाले वाहन मसूरी डायवर्जन, ग्रेट वेल्यू, बहल चौक, सर्वे चौक होते हुए कॉनवेंट तिराहा लोगों को छोड़ेंगे। वाहन बन्नु स्कूल में पार्क होंगे। वापसी का पिकअप प्वाइंट आईआरडीटी, सर्वे चौक के पास रहेगा।विकासनगर, चकराता से आने वाले वाहन बल्लूपुर चौक, किशननगर, बिंदाल, घंटाघर, दर्शनलाल चौक होते हुए लैंसडाउन चौक पर लोगों को छोड़ेंगे। वाहन बन्नु स्कूल में पार्क होंगे। वापसी का पिकअप प्वाइंट कनक चौक रहेगा। रुड़की, आईएसबीटी की ओर से आने वाले वाहन कारगी चौक, पुरानी बाईपास चौकी, धर्मपुर होते हुए बुद्धा चौक पर लोगों को छोड़ेंगे। पार्किंग रेसकोर्स में होगी। पिकअप प्वाइंट भी बुद्धा चौक रहेगा।रायपुर की ओर से आने वाले वाहन चूना भट्ठा से आकर आईआरडीटी सर्वे चौक के पास लोगों को छोड़ेंगे। बन्नू स्कूल में पार्क होंगे। होगी। पिकअप प्वाइंट भी छोड़ने का स्थान होगा। डोईवाला की ओर से आने वाहन रिस्पना, धर्मपुर, सीएमआई, बुद्धा चौक होते हुए लैंसडौन चौक के पास लोगों को छोड़कर यहां एक साइड पार्क होंगे। वापसी में भी लैंसडौन चौक से लोगों को बैठाएंगे।सहस्रधारा रोड की ओर से आने वाले वाहन सर्वे चौक होते हुए कानवेंट तिराहे पर लोगों को छोड़ेंगे। इसके बाद बन्नू स्कूल में पार्क होंगे। पिकअप प्वाइंट भी कानवेंट तिराहा होगा।विक्रम-मैजिक डायवर्जन व्यवस्था: रायपुर रूट-सहस्रधारा रोड पर चलने वाले सहस्रधारा क्रॉसिंग से वापस होंगे।धर्मपुर रूट के तहसील चौक से दून चौक होते हुए एमकेपी चौक की ओर से भेजे जाएंगे।आईएसबीटी और कांवली रूट के रेलवे गेट से ही वापस भेजे जाएंगे।प्रेमनगर रूट के प्रभात कट से वापस भेजे जाएंगे।राजपुर रूट के ग्लोब चौक से पैसिफिक तिराहा होते हुए बैनी बाजार से वापस राजपुर रोड पर भेजे जाएंगे।सिटी बसों के रूट में बदलाव: आईएसबीटी से राजपुर रोड रूट की बसें दर्शनलाल चौक से घंटाघर होते हुए राजपुर की ओर जाएंगी।रिस्पना से आने वाली बसें तहसील चौक से वापस दून चौक, एमकेपी चौक होते हुए आराघर की ओर भेजी जाएंगी।रायपुर रोड से आने वाली बसें सहस्त्रधारा क्रॉसिंग से सहस्रध ारा रोड, आईटी पार्क, राजपुर रोड होते हुए घंटाघर से भेजी जाएंगी।

सीएम धामी ने किया मंत्रिमंडल विस्तार के बाद विभागों का बहुप्रतीक्षित बंटवारा

देहरादून(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंत्रिमंडल विस्तार के बाद विभागों का बहुप्रतीक्षित बंटवारा कर दिया है। इस बंटवारे में उन्होंने एक ओर जहां गृह, कार्मिक, सामान्य प्रशासन, नियुक्ति एवं प्रशिक्षण और सूचना एवं जनसंपर्क जैसे बेहद अहम विभाग अपने पास रखे हैं, वहीं दूसरी ओर अन्य मंत्रियों को जिम्मेदारियां सौंपकर प्रशासनिक संतुलन साधने की कोशिश की है। दरअसल, अब तक मुख्यमंत्री 35 से अधिक विभागों का कार्यभार संभाल रहे थे। लंबे समय से रिक्त पड़े मंत्रिमंडल के पदों को भरने के बाद यह विभागीय पुनर्गठन किया गया है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि मुख्यमंत्री ने रणनीतिक तौर पर उन विभागों को अपने पास रखा है, जो शासन की धुरी माने जाते हैं और जिनके जरिए सरकार की नीतियों, प्रशासनिक फैसलों और कानून-व्यवस्था पर सीधा नियंत्रण रहता है। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विभाग को सुबोध उनियाल को सौंपा गया है, जो राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिहाज से अहम माना जा रहा है। वहीं, ग्राम्य विकास विभाग भरत सिंह चौधरी को दिया गया है, जबकि गणेश जोशी से यह जिम्मेदारी वापस ले ली गई है। शहरी विकास विभाग राम सिंह कैड़ा को सौंपा गया है, जो तेजी से बढ़ते शहरीकरण के बीच एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मानी जा रही है। इसके अलावा मदन कौशिक को पंचायती राज, आयुष शिक्षा और आपदा प्रबंधन जैसे विभाग दिए गए हैं, जो ग्रामीण ढांचे और आपदा संवेदनशील राज्य उत्तराखंड के लिए बेहद अहम हैं। नए मंत्रियों में खजान दास को समाज कल्याण विभाग की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि प्रदीप बत्रा को परिवहन जैसा महत्वपूर्ण विभाग सौंपा गया है। गौरतलब है कि हाल ही में पांच नए मंत्रियों को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया था। इनमें खजान दास, मदन कौशिक, भरत सिंह चौधरी, प्रदीप बत्रा और राम सिंह कैड़ा शामिल हैं। मंत्रिमंडल में ये पद लंबे समय से खाली थेख्रकुछ पद पहले से रिक्त थे, जबकि कुछ पूर्व मंत्रियों के निधन और इस्तीफे के कारण खाली हुए थे। इस पूरे बंटवारे को राजनीतिक और प्रशासनिक संतुलन के रूप में देखा जा रहा है। एक तरफ मुख्यमंत्री ने सत्ता की केंद्रीय कमान अपने हाथ में बनाए रखी है, तो दूसरी ओर नए और पुराने चेहरों के बीच जिम्मेदारियों का वितरण कर सरकार के कामकाज को गति देने का प्रयास किया है। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि यह नया संतुलन सरकार के प्रदर्शन और जनता तक योजनाओं के क्रियान्वयन पर कितना असर डालता है।

संक्षिप्त समाचार...

ट्रांसजेंडर संशोधन बिल का दून में किया विरोध

देहरादून (संवाददाता)। संसद में हाल ही में पेश किए गए ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन बिल 2026 के खिलाफ दून में भी ट्रांसजेंडर समुदाय और उनके समर्थकों ने मोर्चा खोल दिया है। रविवार को तिब्बती मार्केट के पास स्थित रेस्त्रां में ट्रांसजेंडर समुदाय और सहयोगी संस्थाओं ने संयुक्त प्रेसवार्ता कर इस बिल को तुरंत वापस लेने की मांग की। समुदाय का कहना है कि यह बिल बिना उनकी राय लिए लाया गया है और यह उनके वर्षों के संघर्ष से मिले अधिकारों को छीनने वाला है। प्रेसवार्ता में ओशिन, मीरा और नैना आदि ने समुदाय का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने 13 मार्च 2026 को लोकसभा में यह बिल पेश किया था। जिसे 23 मार्च को संसद में चर्चा के लिए लाया जाना है। समुदाय ने इसे गरिमा, निजता और पहचान के अस्तित्व पर खतरा बताते हुए चेतावनी दी कि यदि इसे अधिनियम बनने से नहीं रोका गया, तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। वक्ताओं ने कहा कि यह संशोधन बिल 2014 के सुप्रीम कोर्ट के नालसा जजमेंट का सीध ा उल्लंघन है। जो स्व-अनुभूत जेंडर पहचान का अधिकार देता है। नए बिल में जेंडर पहचान की मान्यता का अधिकार व्यक्ति से छीनकर सरकार से नियुक्त मेडिकल बोर्ड को दे दिया गया है। इससे ट्रांसजेंडर की परिभाषा केवल जैविक आधार तक सीमित हो जाएगी।

सर्जन पति पर ईएनटी डाक्टर ने लगाया गला घोंटने का आरोप

देहरादून (संवाददाता)। दून मेडिकल कॉलेज की महिला डॉक्टर ने नैनीताल में तैनात सर्जन पति और सास-ससुर के खिलाफ घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, मारपीट और जान से मारने के प्रयास के आरोप में केस दर्ज कराया है। शहर कोतवाली पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शहर कोतवाल हरिओम राज चौहान ने बताया कि रेसकोर्स वैली निवासी डॉ. आशना पंत ने तहरीर महिला शिकायत प्रकोष्ठ में शिकायत दी। बताया कि हल्द्वानी मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की पढ़ाई के दौरान उनकी मुलाकात डॉ. प्रशांत ओली से हुई थी। दोनों ने 22 फरवरी 2023 को प्रेम विवाह किया था। डॉ. प्रशांत वर्तमान में बीडी पांडेय अस्पताल नैनीताल में सर्जन के पद पर तैनात हैं। आरोप है कि शादी के कुछ दिन बाद ही सास ने दोनों के डॉक्टर होने का हवाला देते हुए दहेज में गाड़ी न लाने पर ताने मारने शुरू कर दिए। विवाद टालने के लिए मायके पक्ष ने 10 लाख रुपये का चेक डॉ. प्रशांत को दिया। जिसे उन्होंने अपने पिता के साथ मिलकर ज्वाइंट एकाउंट में जमा कर लिया। डॉ. आशना का आरोप है कि ससुर ने भी अक्सर ताने मारते हुए असहज स्थिति बनाई। आरोप है कि 19 अगस्त 2025 को देहरादून स्थित मायके में विवाद के दौरान डॉ. प्रशांत ने उन्हें धक्का देकर जमीन पर पटक दिया और गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया।

कांग्रेस का केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

ऋषिकेश (संवाददाता)। घरेलू एवं कॉमर्शियल गैस की किल्लत और दाम बढ़ने पर कांग्रेसियों का गुस्सा रविवार को फूट पड़ा। आक्रोशित कांग्रेसियों ने केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। चेताया कि गैस सिलेंडर की आपूर्ति सुचारु की जाए और महंगाई पर नियंत्रण किया जाए, अन्यथा उग्र आंदोलन किया जाएगा। रविवार को ढालवाला पुलिस चौकी के निकट कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार का पुतला दहन किया। जिला कांग्रेस कमेटी देवप्रयाग के जिलाध्यक्ष उत्तम सिंह असवाल ने कहा कि देश में गैस सिलेंडर की लगातार बढ़ती कीमतों और आपूर्ति में कमी से आम जनता एवं छोटे व्यापारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रसोई गैस आम आदमी की पहुंच से बाहर होती जा रही है, जिससे घरों की रसोई पर सीधा असर पड़ रहा है। छोटे होटल, ठेलियां लगातार बंद हो रही है। गरीब जनता जो किराए पर रहती हैं, वह अपने गांव की ओर जाने को मजबूर हो रहे हैं। केंद्र की मोदी सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि जनता से किए गए वादे पूरे नहीं किए जा रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही गैस की किल्लत और महंगाई पर नियंत्रण नहीं किया गया, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। नगर कांग्रेस कमेटी मुनिकीरेती के नगर अध्यक्ष अनिल रावत ने कहा कि डबल इंजन भाजपा सरकार लोगों को गुमराह कर रही है।

दो पक्षों के बीच अचानक विवाद

रामनगर (संवाददाता)। उत्तराखंड में नैनीताल जिले के रामनगर में ईद के अवसर पर जहां पूरे क्षेत्र में खुशी और भाईचारे का माहौल देखने को मिला। वहीं, पिरूमदारा क्षेत्र से एक झड़प का वीडियो सामने आया। जहां पिरूमदारा चौकी के ठीक सामने सड़क पर दो पक्षों के बीच अचानक विवाद हो गया, जो देखते ही देखते झड़प में बदल गया। इस घटना का वीडियो भी अब सामने आया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों पक्ष किसी मामूली बात को लेकर आपस में भिड़ गए, विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों ओर से कहासुनी के बाद धक्का-मुक्की शुरू हो गई और दोनों ही पक्ष एक ही समुदाय से संबंधित बताए जा रहे हैं। जबकि ईद जैसे त्योहार पर आमतौर पर लोग आपसी भाईचारे और प्रेम का संदेश देते हैं। घटना की गंभीरता को देखते हुए, पिरूमदारा चौकी में तैनात पुलिसकर्मियों ने तुरंत सक्रियता दिखाई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों को अलग किया और स्थिति को नियंत्रण में लिया और मामले को शांत करवाया, जिससे किसी बड़ी अनहोनी को टाल दिया गया।

युद्ध के विरोध में शांति के पक्ष में जनसभा का आयोजन

रामनगर (संवाददाता)। शहीद ए आजम भगत सिंह के शहादत दिवस की पूर्व संध्या पर संयुक्त संघर्ष समिति रामनगर से जुड़े विभिन्न संगठन के लोगो द्वारा शहीद पार्क लखनपुर में एक युद्ध के विरोध में शांति के पक्ष में जनसभा का आयोजन करेगी। संयुक्त संघर्ष समिति के सदस्य प्रभात ध्यानी ने बताया कि युद्ध में केवल निर्दोष गरीब मजदूर किसान महिलाएं बच्चे मारे जाते हैं।अमेरिका इजरायल द्वारा ईरान पर थोप के युद्ध के कारण आज पूरे विश्व चिंतित है।युद्ध का प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष प्रभाव लोगों की आम जिंदगी पर पड़ रहा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक संजीव पंत द्वारा जेल रोड, हल्द्वानी, नैनीताल उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं चिराग पब्लिकेशन जेल रोड, हल्द्वानी नैनीताल से मुद्रित। **सम्पादक - राजेश पंत**
फोन नं0- 05946-254443 प्रसार प्रबंधकः वसीम अहमद , आर एन आई नं.: UTTHIN/2010/36647 email: jokhimhaldwani2013@gmail.com
ताज़ातरीन खबरों व सही जानकारी के साथ समाचार को विस्तार से पढ़नें के लिए लागआन करें हमारा newsportal:. jokhimnews.com